



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

पांच II—खण्ड ३—उप-खण्ड (१)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रधानमंत्री के द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 360]

नई दिल्ली, गुरुवार, अगस्त 24 1990/माह 2, 1912

No. 360]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 24, 1990/BHADRA 2, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
चला जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतसं परिवर्तन मंत्रालय

13 जुलाई, 1989 और 20 जुलाई, 1989 को पश्चिम
बंगाल सरकार राजपत्र में प्रकाशित किया गया था।

(पत्तन पक्ष)

फा.सं.पीआर-16012/12/88-पीजी]

अधिसूचना

अग्रोक जोशी, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1990

कलकत्ता पत्तन न्यास

अधिसूचना सं. -452

सा.का.नि. 737 (अ).—मंहापत्तन न्यास जधि-
नियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उप-
धारा (1) द्वारा पठित धारा 124 की उप-धारा (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एवंद्वारा कलकत्ता पत्तन न्यास (जलयानों का करस्यम्
या बन्दी बनाना और बिक्री) विनियम 1989 का
अनुमोदन करती है, जिन्हें कलकत्ता पत्तन न्यासी मंडल
द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 123 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए बनाया गया था और इस अधिसूचना
के साथ संलग्न अनुसूची में दिए गए व्यौरे के अनुमार

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963(1963 का 38)
की धारा 53 और 64 के साथ पठित धारा 123 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलकत्ता पत्तन का
न्यासी मंडल इस संबंध में वर्तमान तियानों/विनियमों का
अधिकरण करते हुए केन्द्रीय सरकार की स्वीकृति के
अधीन एवंद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है और
इन्हें उक्त अधिनियम की धारा 124(2) की अपेक्षानुसार
नीचे प्रकाशित किया जाता है।

1. संक्षिप्त नाम एवं प्रारंभ :

(1) ये विनियम कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट (पोतों का आभेद या रोक और बिशी) विनियम, 1989 है।

(2) ये शासकीय राजपत्र में केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन के प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होते हैं।

2. लागू :

ये विनियम उन सभी पोतों पर लागू होते हैं जिन पोतों के संबंध में महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत या किसी विनियम के अन्तर्गत या उसमें बनाए गए आदेशों के अन्तर्गत देश कोई दर या दण्ड या दानों हों, लेकिन उन पोतों पर लागू नहीं होते जो केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के हों या उसकी सेवा में हो या किसी विदेशी राज्य का कोई युद्ध हो।

3. परिभाषा :

इन विनियमों में जब तक प्रगति में दृसरी बात अधिक्षित न हो,

(i) "अधिनियम" में महापत्तन न्याय अधिनियम, (1963 का 38) अभिप्रेत है।

(ii) "निवेशक, नी विभाग" ऐ जस समय नी विभाग कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के प्रभागी अभिप्रेत हैं, जिनमें उनके उपनिवेशक तथा निवेशक, नी विभाग के प्राधिकारी के तहत कोई भी अन्य कार्यकारी अधिकारी भी शामिल हैं।

(iii) "प्रपत्र" से इन विनियमों में अनुलग्नक प्रपत्र अभिप्रेत है।

(iv) "स्थानीय कर" से अधिनियम के तहत देश स्थानीय कर या दण्ड अभिप्रेत है।

(v) इन विनियमों में प्रयुक्त शब्दों तथा अभिव्यक्तियों जिन्हें विनियमों में परिभाषित नहीं किया गया है लेकिन अधिनियम में परिभाषित है, अधिनियम में उन्हें क्रमांक दिए गए अर्थ ही होते।

4. पोतों का आभेद या पोतों की गिरफ्तारी :

1. जब किसी पोत से संबंधित स्थानीय कर/दण्ड का भुगतान नहीं किया गया हो और पोत पत्तन में पड़ा हो, तो निवेशक नी विभाग द्वारा प्रपत्र I में वाकीदार पोत के मास्टर में सभी बाएँ स्थानीय करों या दण्डों को उपर्युक्त मांग प्रपत्र I के जारी करने की तारीख में भारत दिनों के अन्दर भुगतान की मांग करेगा।

2. उक्त मांग के माथ संबंधित पोत के गान्धिक या अभिकर्ता के विरुद्ध लगाए गए स्थानीय करों या दण्डों का पूर्ण विवरण सहित बिल जो बोर्ड को देय है, की प्रति मंत्रमन ग्रहणी।

3. उक्त मांग पोत के मास्टर को दी जायेगी। और मास्टर वो न पाने पर उसे पोत के मस्तूल पर चिपका दिया जायेगा और यह भान लिया जाएगा कि "डिमांड नोटिस" मास्टर को ही दिया गया है।

4. यदि वाकीदारी जहाज का मास्टर डिमांड में निर्धारित समय सीमा के भीतर स्थानीय करों/दण्डों या उसके किसी विस्ते को देने से अस्वीकार करता है या उक्ता करता है, तब बोर्ड ऐसे पोतों को रोक प्रवाह गिरफ्तर कर सकता है तथा रस्सा, परिधान तथा उसके फनिचर या उसके किसी भी अंश को रोक सकता है, जब तक कि बोर्ड की बकाया राशि और आगे ऐसी राशि जो कि पोत के रोकने या गिरफ्तारी की अवधि के दौरान उत्पन्न हुई हो के माथ-साथ भुगतान नहीं किया जाता तब तक रोक या गिरफ्तारी जारी रहेगी।

5. वाकीदारी जहाज को रोकने या गिरफ्तारी से लिए अध्यक्ष प्रपत्र II पर स्पष्ट रूप से बकाया राशि का उल्लेख करते हुए गिरफ्तारी का वारंट जारी करेंगे। तथा इसका भी उल्लेख करेंगे कि जब तक बोर्ड की बकाया राशि तथा आगे दरों या दण्डों के प्रोद्भवि तथा लागत का बोर्ड को पूर्ण भुगतान नहीं किया जाता तब तक रोक या गिरफ्तारी जारी रहेगी।

6. (क) गिरफ्तारी वारंट पोत के मास्टर के नाम जारी किया जायेगा तथा पोत के मस्तूल पर उसकी एक प्रति भी चिपका दी जायेगी।

(ग) जब पोत वा मास्टर उल्लंघ हो या वारंट लेने में कलराता हो, तो जहाज के मस्तूल पर चिपकायी गयी प्रति का अर्थ होगा कि वारंट भी प्रति पोत मास्टर को दी गयी है।

7. यदि पोत के रोक या गिरफ्तारी की दरें/दण्डों को लागत या उसके रख-रखाय की लागत पोतों के मानिक या मास्टर या अभिकर्ता द्वारा पोत के रोक या गिरफ्तारी के दूसरे दिन से पांच दिन की अवधि के भीतर बोर्ड को पूर्णतः भुगतान नहीं करता तो बोर्ड पोत या अन्य नीजों जिन्हें गोका या गिरफ्तार किया है, को बेच देगा।

जब आदेश द्वारा बोर्ड विदेशी जहाज रोक या गिरफ्तारी के अधीन हो तो ऐसे मामले में छज देश के द्रुतावास तथा भारत सरकार के जल-भूतल मंत्रालय को भी सूचित किया जायेगा।

8. रोके या गिरफ्तार किए गए पोतों की विशी :—

1. निवेशक, नी विभाग रोके गए पोत के आरक्षित विशी मूल्य की जाकारी के लिए अनुमोदित सर्वेशक वाग उम पोत सर्वेशण का मूल्यांकन सर्वेशण करायेगा।

2. निवेशक, नी विभाग पोत तथा उसके रस्से, परिधान तथा फर्नीचर को बेचने से पहले निवेशक, नी विभाग, महा-निवेशक, जहाजरानी से अनुमोदन प्राप्त करेंगे।

3. सामन्ती विश्वानियम, 1930 के उपबंधों तथा निविदा सूचना के अनुसार विश्वी की स्थिति के शर्तों के अनुसार ही विश्वी की जायेगी।

4. जैसा कि प्रपत्र III में दिया गया है, कम से कम 4 प्रमुख समाचार पत्रों, जिनमें हिन्दी तथा एक लोकीय भाषा के दैनिक भी शामिल हैं, तथा निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख का उल्लेख करते हुए समाचार पत्रों में विज्ञापन अग्रदृशी की तारीखों से महरवन्द निविदाएं आमतित की जायेगी।

5. समाचार पत्रों में विश्वी सूचना प्रकाशित होने के बाद निवेशक, नौ विभाग द्वारा निर्धारित अवधि के बारान प्रत्याशित श्रेताओं को पोत निरीक्षण की अनुमति दी जायेगी।

6. हर मासले में हर निविदा के साथ निवेशक, नौ विभाग द्वारा निर्धारित वयाना राशि का बैंक ड्राफ्ट संलग्न होमा धार्हिए।

7. निर्धारित तिथि व समय के बाद प्राप्त निविदाएं सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दी जायेगी।

8. निविदाएं खोलने के लिए निवेशक, नौ विभाग द्वारा निर्धारित तारीख व समय पर निविदादाताओं की उपस्थिति में मोहरवन्द निविदाएं खोली जायेंगी और निविदाएं खोलने के निर्धारित समय पर कोई निविदादाता उपस्थित नहीं होता तो उनकी निविदा को बिना खोले और बिना कोई कारण बताए अस्वीकार किया जा सकता है।

9. सफल निविदादाता को प्रस्ताव की स्वीकृति की सूचना दे दी जायेगी।

10. निविदा स्वीकृति की तारीख से 5 दिन के भीतर सफल निविदादाता को बोली राशि का 25% भुगतान करना होगा तथा शेष राशि को 5 दिन के भीतर भुगतान करना होगा। मूल्य के लिए निवेशक नौ विभाग द्वारा निर्धारित सुरक्षा जमा के रूप में निविदा मूल्य के अतिरिक्त सफल निविदादाता को ऐसी राशि/बैंक गारंटी जमा करनी होगी जिसे सफलतापूर्वक काम पूरा करने के तीन महीने के भीतर लौटा दी जायेगी। तथापि पोर्ट द्वारा ऐसे जमा राशि पर कोई व्याज नहीं दिया जायेगा।

11. निविदा प्रस्ताव की स्वीकृति की तारीख से 5 दिन के भीतर बोली राशि का 25% भगतान करने पर जब

तक कि अन्यथा आदेश न दिए गये हों, विश्वी अपने आप रह ही जायेगी तथा वयाना राशि जब्त कर दी जायेगी तथा पोत को निविदादाता जिसकी निविदा स्वीकार की गयी के जोखम पर पुनर्विक्ती कर दिया जायेगा।

12. यदि किसी भी कारण से पोत को बन्दरगाह से तीस दिन के भीतर नहीं हटाया जाता है तब जैसा कि पत्तन के दरमान में निर्धारित है, सामन्य प्रकार में उपर अतिरिक्त वर्षे किराया प्रभार लिया जायेगा।

13. बन्दरगाह के भीतर या पत्तन सीमा के भीतर श्रेता को किसी भी हालत में पोत को विर्भाइट करने या तोड़ने की अनुमति नहीं दी जायेगी जब तक या अन्यथा ऐसे करने के लिए विशेष रूप से अनुमति न दिया हो।

6. पोत के श्रेता देयताएं :

1. निविदा की स्वीकृति की तारीख से सभी दर्द दण्ड स्था अन्य प्रभार केता के नाम में होगा।

2. निविदा स्वीकृत होने पर श्रेता का कोई का 30 दिनों में पोर्ट देव शुल्क तथा प्रभारों जैसा कि निवेशक, नौ विभाग द्वारा उस अवधि के लिए भुगतान योग्य प्रावक्तिन किया जाये जमा करना होगा।

3. सीमा शुल्क तथा उत्पाद, शुल्क, विक्रीकर, स्थानीय करों, आदि जैसा लागू हो, श्रेता के नाम होगा और वह ऐसे शुल्कों तथा करों से संबंधित राशि को प्राधिकारी के पास जमा करेगा और पत्तन द्वारा पोत निकासी की स्वीकृति प्राप्ति से पहले ऐसे भुगतानों की रसीद प्रस्तुत करेगा।

4. (क) निविदा स्वीकृति के तत्काल बाद श्रेता जिम अवधि के दौरान पोत गोदी/बन्दरगाह के भीतर रखा जायेगा उस समय के लिए पोत में पर्याप्त कृ. सहाय पोत के भजदूरों तथा अनुरक्षण के लिए प्रमाणिक, मास्टर, प्रमाणिक अधिकारी, प्रमाणिक इंजीनियर आदि गभी की अवस्थाएं करेगा।

(ख) पोत में लोगों तथा अनुरक्षण की आवश्यक व्यवस्था करने में चूक जाने पर पत्तन प्राधिकारी उस प्रयोजन के लिए किराए पर उपयुक्त व्यक्तियों को नियुक्त कर सकते हैं और इस संबंध में हुए उचित खबरों को श्रेता से यसूल करेगा।

प्रपत्र —I

[विनियम 4 (1) देखें]

सेवा में,
मास्टर,
एम. बी./एस. एस.

विषय:—एम. बी. दरों/दण्डों/दरों/दण्डों की अनादायगी—तत्काल भुगतान की मांग करते हुए सूचना जारी करना।

महोदय,

कृपया मेरे उल्लिखित पत्र की ओर ध्यान बींजिए। आपसे निवेदन किया गया था कि देय निम्नलिखित दरों/दण्डों के लिए महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए विनियमों या आदेशों के तहत _____ को या पहले पोर्ट बकाया _____ 1 _____ 2 _____ 3 _____ को रु./ का भुगतान कर दें। लेकिन मास्टर के रूप में या एजेंट द्वारा पोर्ट के बकाए के भुगतान के लिए आपने सभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है जैसाकि उपर्युक्त दरों/दण्डों के लिए मांगा गया था। आपके नियंत्रणाधीन पोत से विनांक _____ को _____ रु. की राशि बकाया है।

2. आपको एतद्वारा नोटिस दी जाती है कि आप इस नोटिस के पाने के सात दिन के भीतर उपर्युक्त भुगतान करें। ऐसा नहीं करने पर महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 64 के उपबंधों के तहत पोत को रोका, गिरफ्तार किया जाएगा तथा उसके रख से, परिधान और फर्नीचर या उसके किसी हिस्से को रोक लिया जाएगा जब तक उस अवधि जिसमें पोत को रोक रखा गया या गिरफ्तार किया गया के लिए प्रोद्भूत राशि सहित पोर्ट बकाया का भुगतान नहीं किया जाता।

भववीय,
निदेशक,
नी विभाग।

को प्रति : मैसर्स
एम. बी. का मालिक।

को प्रति : मैसर्स
पोत का अधिकारी।

प्रपत्र—II
[विनियम 4 (5) देखें]

सेवा में,
मास्टर,
एम. बी./एस. एस.

विषय:—मी वहन—एम. बी. दरों/दण्डों—दरों/दण्डों की अनादायगी—रोक आवेदन जारी करना।

संदर्भ :—निदेशक, नी विभाग सी पी टी के दिनांक फ्रमांक, के समरबंधिक पत्र।

महोदय

कृपया उपर्युक्त पत्र की ओर ध्यान बींजिए। एतद्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आपके नियंत्रणाधीन पोत से दिनांक को दरों/दण्डों के लिए रु. की अनुमानित राशि बकाया है। आपसे अनुरोध किया गया था कि कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट को देय दरों/दण्डों के लिए रु. की राशि दिनांक को या उससे पहले भुगतान कर दें। पोत मास्टर के रूप में आपने या एजेंट ने कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के बकाए जिसे दिनांक तक देहा था, के भुगतान के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की है।

बोर्ड को देश उपर्युक्त दरों/दण्डों की अनादयगी को देखते हुए मैं एतद्वारा महा पतन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 64 के उपबंधों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी करता हूँ कि पोत एम. बी.—को एतद्वारा रोका जाता है तथा इसे तब तक रोके रखा जाएगा जब तक कि पोर्ट के बकाए तथा रोकी गयी अवधि में पोत पर प्रोट्भूत राशि का भुगतान नहीं कर दिया जाता ।

कृपया यह भी नोट करें कि यदि रोक आदेश (अर्थात्-जारी करने की तारीख से 5 दिन के भीतर) उपर्युक्त राशि तथा रोक की लागत का भुगतान नहीं किया गया, तो मैं उक्त अधिनियम की धारा 64 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत उपर्युक्त पोत की बिक्री के लिए बाध्य हो जाऊँगा तथा बिक्री से प्राप्त राशि में पोत की बिक्री की लागत सहित बोर्ड के बकाए प्रभारों का समायोजन कर दिया जाएगा ।

भवदीय,

ग्रध्यक्ष

को प्रति:— मैसर्स
एम. बी. के मालिक ।

को प्रति:— पोत के अभिकर्ता ।

प्रपत्र —III

[विनियम 5 (4) वेदों]

विज्ञापन

महा पतन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 64 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पोर्ट ट्रस्ट एम. बी. पोत की बिक्री के लिए “जैसे हैं जहाँ हैं” के आधार पर इच्छुक लेनाओं से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित करता है ।

2. पोत का संक्षिप्त व्योरा निम्नलिखित है :—

पोत का नाम

निर्माण वर्ष

जी. आर. टी.

एन. आर. टी

लम्बाई

चौड़ाई

गहराई

पूर्ण वजन

वर्गीकरण

इंजीन

बी. एच. पी.

एल. औ. टी.

निर्माण वर्ष

गज

3. निवेशक, नौ विभाग, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के नाम दिनांक को वजे से पहले रु. बयाना राशि जमा के साथ दो मुहरबंद लिफाफों में प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है । बयाना राशि के पक्ष में बैंक ड्रापट द्वारा को देय होना चाहिए । निविदा के लिफाफे पर यह लिखा रहना चाहिए “एम. बी. के क्रम हेतु निविदा ।

4. निर्धारित तारीख तथा समय के आव प्राप्त सभी निविदाएं असरी तोर पर अस्वीकृत कर दी जायेगी ।

5. पोत क्रम हेतु सभी मुहरबंद निविदाएं निवेशक, विभाग कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के कार्यालय में उनकी उपस्थिति में दिनांक को खोली जाएगी । सफल निविदाओं को प्रस्ताव स्वीकृति का सूचना दे दी जाएगी ।

6. सफल निविदाता को निविदा स्वीकृति की तारीख से 3 दिन के भीतर बोली राशि का 25% देना होगा तथा ये 15 दिन के भीतर जमा करना होगा। किसी प्रकार की वैक गारंटी नहीं स्वीकार की जाएगी। निविदा स्वीकृति की तारीख से 3 दिन के भीतर बोली राशि का 25% भुगतान न करने पर जब तक अन्यथा अदिगत न हो विक्री अपने आप रद्द हो जाएगी तथा जमा बयाना राशि रु. जब्त हो जाएगी। और निविदाता जिसकी निविदा स्वीकृत की गयी थी के लागत के जोखिम पर पोत को पुनर्बिक्री की तारीख से उपर्युक्त 15 दिन के भीतर विक्री क्षतिरूपि का भुगतान नहीं किया गया तो विक्री अपने आप हो रद्द हो जाएगी और रु. बयाना राशि जब्त हो जाएगी। उक्त पुनर्बिक्रय से उन्नप किसी प्रकार को कमो या अन्य खर्चों को पूर्ति के लिए 25% पूर्व जमा राशि को रोक लिया जाएगा।

7. सोमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, और आयात शुल्क, विक्री कर, स्थानीयकर आदि जैसा लागू हो, क्रेता के नेट्रा में होता।

8. निवेशक, नौ विभाग, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट की उपस्थिति में उसके कार्यालय में दिनांक को वजे निविदा खो जाएगी और किसी भी निविदा की स्वीकृति निवेशक, नौ विभाग, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, के अन्तर्वेक पर होता।

9. पोत को विक्री की तारीख से 30 दिन के भीतर पतन से हटाना होगा। इस अवधि में पोत में प्रमाणक, मास्टर, प्रमाणक अधिकारियों तथा प्रमाणक इंजीनियरों तथा पर्याप्त कु आदि रखना होगा। ये धरकत्वात् जेनाडार को जातो चाहें।

10. क्रेता को पोत की विक्री की तारीख से बन्दरगाह से वास्तविक हराए जाने वाली तारीख के सभी दरों/दण्डों को महा पतन न्यास (रोक या गिरफतारी तथा पोत की विक्री) विनियम, 1989 के अनुसार भुगतान करना पड़ेगा। क्रेता का किसी भी परिस्थिति में बन्दरगाह या पतन सीमा के भीतर पोत को विक्रित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि ऐसा करने का अनुमति उसे प्राप्त न हो।

11. निवेशक, नौ विभाग से पूर्व आवधि द्वारा पोत जो पर पड़ा है, का निरीक्षण से तक किया जाएगा।

12. पतन किसी या सभी निविदाओं को विना कोई कारण बताए हो अद्वागत कर सकता है।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th August, 1990

G.S.R. 737(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approve the Calcutta Port Trust (Distraint or Arrest and Sale of Vessels) Regulations, 1989, made by the Board of Trustees of Calcutta Port in exercise of the powers conferred on them by Section 123 of the said Act and published in the West Bengal Government Gazette dated 13th July, 1989 and 20th July, 1989 as detailed in the schedule annexed to this Notification.

[File No. PR-16012/12/88-PG]
ASHOKE JOSHI, Jr. Secy.

CALCUTTA PORT TRUST

NOTIFICATION NO. 452

In exercise of the powers conferred by Section 123 read with Section 53 and Section 64 of the Major Port Trust Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Calcutta hereby makes subject to sanction of the Central Government the following Regulations in supersession of the existing Rules/Regulations in this regard and the same is published hereunder as required under Section 124(2) of the said Act.

1. Short title and commencement.—(1) These regulation may be called the Calcutta Port Trust (Distraint or Arrest and sale of vessels) Regulations, 1989

(2) They shall come into force on the date of publication of the approval of the Central Government in the Official Gazette.

2. Application.—These regulations shall apply to all vessels in respect of which any rates or penalties or both are payable under the Major Port Trusts Act, 1963 or under any regulations or orders made thereunder, but shall not apply to vessels belonging to, or in the service of, the Central Government or a State Government or to any vessel of war belonging to any Foreign State.

3. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

(i) "Act" means the Major Port Trust Act, 1963 (38 of 1963);

(ii) Director, Marine Department means the Officer for the time being in charge of the Marine Department, Calcutta Port Trust and includes the Deputies to the Director, Marine Department and any other officers acting under the authority of the Director, Marine Department;

(iii) "Form" means the form annexed to these regulations;

(iv) "Rates" means the rates or penalties payable under the Act; and

(v) Words and expressions used in these regulations but not defined and defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

4. Distraint or arrest of vessels.—(1) Where any vessel in respect of which rates/penalties have not been paid is lying at the Port, a demand in Form I shall be made by the Director, Marine Department upon the Master of the defaulting vessel requiring the said Master to pay all the rates or penalties within a period of seven days from the date of issue of the said demand.

(2) The said demand shall accompany the copy of the bills containing the full particulars of rates or penalties which were raised against the owner or agent of the concerned vessel and payment of which still remains due to the Board.

(3) The said demand shall be served upon the Master and in the event of non-availability of the Master, the affixing of the demand notice on the mast of the vessel shall be deemed as service of the demand upon the Master.

(4) If the Master of the defaulting vessel refuses or neglects to pay the rates/penalties or any part thereof within the time limit specified in the demand made upon the Master, the Board may proceed to distrain or arrest such vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, any port thereof and detain the same until the amount so due to the Board, together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is under distraint or arrest, is paid.

(5) In order to distraint or arrest the defaulting vessel the Chairman shall issue a warrant of arrest in Form II clearly specifying the amount due and indicating that the distraint or arrest shall continue until the amount so due to the Board together with further accrual of rates or penalties and costs, are paid towards full satisfaction of the Board.

(6)(a) The warrant of arrest shall be served upon the Master of the vessel and a copy thereof shall also be affixed on the mast of the vessel.

(b) In cases where, the Master is not available or avoids service of the warrant, the fixing of the copy of the warrant on the mast of the vessel shall be deemed as service of the warrant upon the Master.

(7) If the said rates/penalties or cost of the distraint or arrest of the vessel or of the keeping of the same are not paid by the owner or Master or agent of the vessel towards full satisfaction of the Board within a period of five days next after the distress or arrest has been made, the Board shall cause the vessel or other things so distrained or arrested to be sold.

(8) In the case of a foreign vessel placed under distraint or arrest by an order, the Embassy of the Flag Country and the Government of India in the Ministry of Surface Transport shall also be informed.

5. Sale of distrainted or arrested vessel.—(1) The Director, Marine Department shall have a valuation survey of the vessel carried out by approved Surveyors to ascertain the reserve sale price of the distrainted vessel.

(2) The Director, Marine Department shall obtain the permission of the Director General, Shipping before putting the vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, to sale.

(3) The sale shall be held in accordance with the provisions of the Sale of Goods Act, 1930 and also in terms of the conditions of sale as per Tender Notice.

(4) Sealed tenders shall be invited from the prospective buyers through press advertisement, as in Form III, at least in four leading newspapers, including Hindi and one regional language daily, specifying the last date for the receipt of tenders.

(5) The prospective buyers shall be permitted to inspect the vessel after the sale notice is published in the Press, during a specified period which shall be fixed by the Director Marine Department.

(6) Each tender, shall be accompanied by an earnest money deposit, to be paid by bank draft, to be fixed by the Director, Marine Department in each case.

(7) The tenders received after the due date and time shall be summarily rejected.

(8) The sealed tenders shall be opened in the presence of tenderers present on the date and time fixed by the Director, Marine Department for opening the tenders and if any tenderer

is not present at the time fixed for opening the tenders, his tender may be rejected without opening, giving the reasons.

(9) The acceptance of the offer shall be communicated to the successful tenderer.

(10) The successful tenderer shall pay 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender and the balance amount within 15 days from that date. In addition to the tender value the successful tenderer will also deposit such money/bank guarantee for a value as determined by the Director, Marine Department, as security deposit which will be returned within a period of 3 months after successful completion. However, no interest shall be paid by the port on the deposit so made.

(11) In default of payment of 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender, the sale shall, unless otherwise ordered, stand automatically revoked, and the earnest money shall be forfeited, and the vessel shall be resold at the risk of the tenderer whose tender was accepted.

(12) If the vessel is not removed from the harbour for any reason within 30 days, additional berth hire charges beyond the normal charges, as laid down in the Port's Scale of Rates, shall be revised.

(13) Under no circumstances, the buyer shall be permitted to dismantle or break the ship inside the harbour or within the port limits, unless or otherwise it is specifically permitted to do so.

6. Liabilities of the buyer of the vessel.—(1) On and from the date of acceptance of the tender all rates/penalties and other charges shall be to the buyer's account.

(2) Upon acceptance of the tender, the buyer shall deposit with the port an amount representing 30 days' port dues, fees and charges as may be estimated by the Director, Marine Department, to be payable for such period.

(3) Customs and Excise duties, Sales Tax, Local Taxes, etc., shall be as applicable on buyer's account and he should remit the amounts on accounts of such duties and taxes to the concerned authorities and produce the receipts for such payments before the clearance is granted to the vessel by the port.

(4)(a) Immediately after the acceptance of the tender the buyer shall make all arrangements for manning and maintenance of the vessel by a certificate master, certificated officers and certificated engineers with an adequate number of crew during the period the vessel is kept inside the dock/harbour.

(b) In case of failure by the buyer in making necessary arrangements for manning and maintaining the vessel, the port authorities may hire and employ proper persons for that purpose and all reasonable expenses incurred in this connection shall be recoverable from the buyer.

By order of Trustees,

P. N. SEN. Secy.

FORM I

[See regulation 4(1)]

To

The Master,
M.V./S.S.

Subject : M. V. Rates/Penalties—Non-payment of rates/penalties—Issue of Notice demanding immediate payment

Sir,

Please refer to my letter cited. You were requested to pay a sum of Rs. _____ as on _____ towards the following rates/penalties payable under the provisions of the Major Port Trust Act, 1963/regulations or orders made thereunder due to the Port Trust on or before _____

No steps have so far been taken by you as the Master of the

vessel, or by the Agents, to pay dues to the Port as demanded towards aforesaid rates/penalties. As on _____ an amount of Rs. _____ is due from the vessel under your command.

2. Notice is hereby given to you for making the above payment in this seven days on receipt of this Notice, failing which provisions of section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963 will be invoked to distrain or arrest the vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, or any part thereof, and detain the same until the amount so due to the Board together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is under distraint or arrest, is paid.

Yours faithfully,

Director,
Marine Department.

Copy to : M/s.....
Owners of m.v.

Copy to : M/s,
Agents of the vessel.

FORM-II

[See regulation 4(5)]

To,

The Master,
M.V./S.S.

Subject : SHIPPING-m.v.—Rates/penalties—Non-payment of rates/penalties—Distrain order—Issue of.

Ref : Letter of even number dated.....from Director,
Marine Department, CPT.

Sir,

Please refer to letter cited above. You were requested to pay a sum of Rs. _____ as on towards the Rates/penalties due to the Calcutta Port Trust on or before _____. No steps have so far been taken by you as master of the vessel or by the agents to pay the dues to the Calcutta Port Trust as demanded on you are hereby notified that an approximates amount of Rs. towards rates/penalties as on _____ is due from the vessel under your command.

In view of the non-payment of the above rates/penalties due to the _____ Board I hereby pass orders in exercise of the powers given under the provisions of section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963, that the vessel m.v. _____ is hereby distrained and will be kept under detention until the amount due to the _____ Board together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is distrained and detained is paid.

Please also note that in case the above said amount and the cost of the distraint is not settled within 5 days from the date of distraint order (i.e.) _____ I shall be constrained to sell the above vessel under the powers vested under section 64 of the said Act and the sale proceeds will be adjusted against the Charges due to the Board including the cost of the sale of the vessel.

Yours faithfully,
Chairman.

Copy to M/s....
Owners of m.v.

Copy to : Agent of the vessel.

FORM-III

[See regulation 5(4)]

Advertisement

In exercise of the powers conferred by section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963 _____ Port Trust invite sealed tenders from the intended purchasers for the sale of the vessel m.v. _____ on "as and where is" basis.

2. Brief particulars of the vessel are as follows :—

Name of the vessel.....
Year of Built.....
G.R.T.
N.R.T.
Length.....
Breadth.....
Depth.....
Deadweight.....
Classification.....
Engine.....
B.H.P.
L.D.T.
Year of Built.....
Yard.....

3. Offers in double sealed covers are invited before _____ hrs. on _____ addressed to the Director, Marine Department, Calcutta Port Trust along with an Earnest Money Deposit of Rs. _____ (Rupees _____) by Bank Draft payable at _____ in favour of _____. The tender should be submitted superscribing on the envelop TENDER FOR THE PURCHASE of M.V. _____.

4. All tenders received after the due date and time will be summarily rejected.

5. The sealed tenders for the purchase of the vessel shall be opened on _____ in the presence of Director, Marine Department, Calcutta Port Trust in his Office. The acceptance of the offer will be communicated to the successful tender.

6. The successful tenderer shall pay 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender and the balance within 15 days from the date. No Bank Guarantee will be accepted. In default of payment of 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender, the sale shall unless otherwise ordered, stand automatically revoked and the Earnest Money Deposit of Rs. _____ forfeited and the ship resold at the risk of cost of the tenderer, whose tenders was accepted. Should the balance of sale consideration be not paid within the aforesaid time of 15 days from the acceptance of the tender, the sale shall stand automatically revoked and the earnest money of Rs. _____ be forfeited. The 25% amount already paid shall be retained to meet any shortfall or other expenses arising out of the said resale.

7. Customs, Excise, and Import Duty, sale Tax, Local Taxes etc. as applicable on "BUYERS ACCOUNT".

8. The tenders will be on _____ at _____ in the presence of the Director Marine Department, Calcutta Port Trust in his office and the acceptance of any tender will be at the sole discretion of the Director, Marine Department, Calcutta Port Trust.

9. The ship should be removed from the _____ Port within 30 days from the date of sale. During this time the ship should be kept manned by certificated Master, certificated officers and certificated Engineers plus an adequate number of crew. The arrangements should be made by the Buyer.

10. The Buyer will have to pay all the rate/penalties from date of sale of the vessel till the date of actual removal of the vessel from the harbour in accordance with the Major Port Trust (Distraint or Arrest and sale of vessel) Regulations, 1989.

11. Under no circumstances, the Buyer will be permitted to dismantle the ship inside the harbour or within Port limits, unless or otherwise it is permitted to do so.

12. The ship which is lying at may be inspected by prior appointment with the Director, Marine Department from _____ to _____.

13. The Port reserves the right to reject any or all the tenders without assigning any reason whatsoever.

PORT TRUST
691A-1